[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8249 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism (C)

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. संस्कृत साहित्य शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (10)

   Give a brief introduction of Sanskrit Poetics.

   OR / अथवा

   काव्यप्रकाश के अनुसार काव्य प्रयोजन की समीक्षा कीजिए ।

   Explain the objectives (प्रयोजन) of Poetry according to Kavyaprakash.

2. मम्मट के अनुसार काव्यलक्षण की समीक्षा कीजिये । (10)

Critically examine the defination of काव्यलक्षण according to Mammata.

OR / अथवा

कथा और अख्यायिका का लक्षण देते हुए दोनों का अन्तर समझाइए ।

Explain the definition and difference of katha and Akhyayika.

3. साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का परिचय दीजिए । (10)

Write an introduction of Mahakavya according to Sahityadarpana.

OR / अथवा

दृश्यकाव्य का लक्षण दीजिए और इसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

Give definition of Sanskrit Drama (दृश्यकाव्य) and throw light on the types of Sanskrit Drama (दृश्यकाव्य).

4. काव्य में शब्दशक्तियों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । (8)

Throw light on the imporance of Sabdashakti in Poetry.

OR / अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write a short note on any **two** of the following :

(i) अभिधा (ii) लक्षणा

(iii) व्यञ्जना (iv) तात्पर्यार्थ

5. भरत के रससूत्र की भट्टनायककृत व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए । (11)

Evaluate the explanation of Bhatanayaka on Bharata's Rasasutra.

OR / अथवा

रस की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on transcendental nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए । (5×2=10)

Define with example any **two** of the following figures of speech.

यमक, उपमा, संदेह, तुल्ययोगिता, निदर्शना

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम-निर्देश कीजिए । (3×2=6)

Explain and give name of the figures of speech used in any **two** of the following verses :

(i) आदाय बकुलगन्धानन्धीकुर्वन्पदे पदे भ्रमरान् ।
अयमेति मन्दमन्दं कावेरीवारिपावनः पवनः ।।

(ii) आहवे जगदुद्दण्डराजमण्डलराहवे
श्रीनृसिंह महीपाल स्वस्त्यस्तु तव बाहवे ।।

(iii) नेदं नभोमण्डलमम्बुराशिर्नैताश्च तारानवफेनभङ्गाः ।
नायं शशी कुण्डलितः फणीन्द्रो नासौ कलङ्कः शयितो मुरारी ।।

(iv) बृहत्सहायः कार्यान्तंक्षोदीयानपिगच्छति ।
सम्भूयाम्भोधिमभ्येतिमहानद्यानगापगा ।।

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए । (3×2=6)

Define and illustrate any **two** of the following Metres :

अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, मालिनी, शिखरिणी

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये : (2×2=4)

Scan and name the meter in any **two** of the following :

(i) आपरितोषाद्विदुषां न साधुमन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ।।

(ii) प्रजाः प्रजाः स्वा इव तन्त्रयित्वा
निषेवतेऽशान्तमनसा विविक्तम् ।
यूथानि संचार्य रविप्रतप्तः
शीतं दिवास्थानमिव द्विपेन्द्रः ।।

(iii) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(iv) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।